पाठ 19. वनरक्षक पुंडरीक

पाठ का उद्देश्य

इस एकांकी को अभिनय के साथ प्रस्तुत करने से बच्चों का मंच अभिनय का अभ्यास होगा। नाटक विधा से उनका परिचय होगा। मंच पर संवाद बोलने से वे शुद्ध उच्चारण सीखेंगे। मंच पर जाने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। संवाद बोलते समय उनमें अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा। यह नाटक उन्हें कर्तव्यपालन की शिक्षा देगा।

- अध्यापक बच्चों को इस एकांकी को नाटक के रुप में प्रस्तुत करने को कहें।
- बच्चों के समूह बना दिए जाएँ।
- बच्चे एक साथ मिलकर काम करें।
- वे सभी एक-दूसरे को मार्गदर्शन देकर नाटक को प्रभावी बनाएँ।

इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी तथा तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। आपस में मिल-जुलकर काम करने तथा विचारों का आदान-प्रदान करने से सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। अभिनय करने से उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।